SET-1 4th SEM (चतुर्थ समसत्र) संस्कृत SNK Core - CC-411

एकादशपत्र

पूर्णांक: 70

1. सभी प्रश्नो का उत्तर दें।

निम्नलिखित प्रश्नों का सही विकल्प चुनें :- 1X10

(क) 'कुमार विजयम्' नाटक के रचनाकार कौन है?

(i) रमाकान्त शुक्ल (ii) रामाश्रिष पाण्डेय

(iii) जयशंकर प्रसाद

(ख) 'कुमार विजयम्' में किस प्रान्त का कथानक है?

(i) उत्तर प्रदेश (ii) झारखण्ड (iii) बिहार

(ग) कुमार विजयम् में किसकी विजय वर्णित है?

(i) अमर सिंह की (ii) कुमर सिंह की (iii) राम की

(घ) कुमार विजयम् में कितने अंक है?

(i) 5 (ii) 6 (iii) 7

(ङ) कुमार विजयम् के रचनाकार का जन्म किस प्रान्त में हुआ है?

(i) बिहार (ii) झारखण्ड (iii) उत्तरप्रदेश।

(च) दशरूपक के रचयिता कौन है?

(i) अभिनवगुप्त (ii) धनञ्जय (iii) रमाकान्त

(छ) रूपक के कितने भेद होते है?

(i) दो (ii) तीन (iii) दश

(ज) दशरूपक किसमें विभक्त है?

(i) प्रकाश (ii) अंक (iii) अध्याय

(झ) रूपक के मेदक तत्व कितने है?

(i) तीन (ii) पाँच (iii) सात

(ञ) नायक कितने प्रकार के होते है?

(i) पाँच (ii) चार (iii) दो

SET-1

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर दें 15×1

(क) संधि के सामान्य लक्षण की व्याख्या करते हुए "पञ्चसंधयः" की समीक्षा करें।

(ख) दशरूपक के आधार पर नायक के भेदों की विवेचना करें।

3. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें 15×1

(क) कुमारविजयम् के प्रणेता का परिचय दें।

(ख) कुमार विजयम् के नायक का चरित्र-चित्रण करें।

4. दशरूपक (प्रथितांश) के आधार निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखें 5×3

(क) अर्थप्रकृति
(ख) पञ्चावस्था
(ग) प्रस्तावना
(घ) विदूषक
(ङ) चीरत्वलित
(च) भारतीवृति
(छ) चीरप्रशान्त
(ज) प्ररोचना

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद करें 5×3

(क) स्वातन्त्र्यं नहि विद्यतेऽत्र
जनकार्ये तथा चिन्तने।
नद्वास्ताः परतन्त्रपाशनिकरे
गावो यथा गोगृहे॥

(ख) अश्वारोहे गजारोहे निषण्णं शस्त्रधारकम्।
कुमारं को न जानाति शत्रुमान विमर्दकम्॥

(2)

SET-1

SET-1

(ग) प्राणान् दत्वाभिरक्षन्ति राष्ट्रं राष्ट्रस्य संस्कृतिम् ।
क्षत्रिया क्षात्रधर्मत्वात् विख्याता भुवने सदा ॥

(घ) तुरगाः श्यामकर्णाश्च प्राप्नुवन्ति स्वलक्ष्यकम् ।
प्रशंस्याः सर्वतो भावैर्बलिष्ठा द्रुतगामिनः ॥

(ङ) स्वांरुचिमनु गच्छन्ति लोकाभिन्नरुचिस्थिताः ।
द्यूत द्यूतकरो याति काव्यगोष्ठीं कोविर्यथा ॥

(च) वीराणामग्र गणस्य कृपा सर्वत्र राजते ।
कृपाशून्ये कृपाणेऽस्य का कृपा शत्रुकर्तने ॥

(3)

Dr. T. PANDEY
H.O.D. Sanskrit

-2 M.A. 4th SEM (चतुर्थ समसत्र) संस्कृत SNK Core - CC - 411

एकादश पत्र -

पूर्णाङ्क - 70

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुने :- 1X10

(क). अर्थप्रकृतियों की संख्या है

(i) पाँच (ii) तीन (iii) चार

(ख) नाटक में कितने प्रकार की संधियाँ कही गयी है?

(i) चार (ii) पाँच (iii) सात

(ग) भावी घटना की सूचना देने वाला है

(i) प्रकरी (ii) अर्थ प्रकृति (iii) पताकास्थानक

(घ) अर्थप्रकृति का तात्पर्य है।

(i) कथावस्तु की सूचना (ii) पात्र प्रवेश (iii) प्रयोजन सिद्धि के हेतु।

(ङ) दशरूपक का पहला भेद है।-

(i) नाटक (ii) भाण (iii) व्यायोग।

(च) कुमार विजयम् नाटक का नायक है। -

(i) अमरसिंह (ii) कुमर सिंह (iii) विजयसिंह।

(छ) कुमार विजयम् में किस नदी का वर्णन है?

(i) गोदावरी (ii) गंगा (iii) यमुना

(ज) कुमारविजयम् नाटक का मुख्य रस है।

(i) श्रृंगार (ii) बीर (iii) हास्य

(झ) कुमारविजयम् नाटक का सम्बन्ध किससे है?

(i) स्वतन्त्रता आन्दोलन से (ii) स्त्री शिक्षा से (iii) बेरोजगारी से।

(ञ) कुमार विजयम् के किस अंक में अश्वचालन प्रतियोगिता का वर्णन है?

(i) द्वितीय (ii) तृतीय (iii) चतुर्थ।

SNK-411

SET- 2

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर दें:- 15X1

(क) 'अर्थप्रकृति' का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों का विवेचन करें।

(ख) 'संधि' किसे कहते हैं? इसके प्रकारों की विवेचना करें।

3 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें:- 15X1

"कुमारविजयम्" नाटक के आधार पर कुमरसिंह का चरित्र चित्रण करें।

अथवा

"कुमारविजयम्" के रचनाकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालें।

4. निम्नलिखित में से किन्ही तीन पर टिप्पणियाँ लिखें:- 5X3=15

(क) कथावस्तु
(ख) चरित्रचित्रण
(ग) प्ररोचना
(घ) भारतीवृत्ति
(ङ) पूर्वरङ्ग
(च) आमुख
(छ) पताकास्थानक
(ज) भरतवाक्य

5. निम्नलिखित में से किन्ही तीन श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद करें 5X3=15

(क) चन्द्रमा रात्रिमध्ये सुधां वर्षयन्
पीतपीतः प्रभाते गतः सागरे।
पूर्वभागे पुनर्भास्करो रोचते
द्वन्द्वभावे तथैव स्थिता मानवाः॥

(2) P.T.O.

(ख) वीराणामग्रगण्यस्य कृपा सर्वत्र राजते ।
कृपाशून्ये कृपाणेऽस्य का कृपा शत्रुकर्त्तने ॥

(ग) स्वां रुचिमनु गच्छन्ति लोका भिन्नरुचिस्थिताः ।
धूत-धूतकरो याति काव्यगोष्ठौ कविर्यथा ॥

(घ) अश्वारोहे गजारोहे निष्णातं शस्त्रधारकम् ।
कुमारं को न जानाति शत्रुमान विमर्दकम् ॥

(ङ) अत्राऽपि नास्ति तत्राऽपि नास्ति
दूरेऽपि पश्यामि तत्राऽपि नास्ति ।
कुञ्जेऽपि नास्ति गेहेऽपि नास्ति
यत्रैव पश्यामि तत्राऽपि नास्ति ॥

(च) तुरगाः श्यामकर्णाश्च प्राप्नुवन्ति स्वलक्ष्यकम् ।
प्रशंस्याः सर्वतो भावैर्बलिष्ठा द्रुतगामिनः ॥

(3)

T. Pandey
H.O.D.
Sanskrit

SET – 3

SET – 3 M.A. 4th SEM (चतुर्थ समसत्र) संस्कृत

SNK – Core – CC – 411

पूर्णाङ्क – 70

एकादश पत्र

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुने : — 1x10

(क) 'कुमारविजयम्' नाटक में अंक है : –
(i) 6 (ii) 3 (iii) 7

(ख) कुमार विजयम में किस ग्राम का वर्णन है ?
(i) पद्मपुर (ii) जगदीशपुर (iii) सोनपुर

(ग) कुमारविजयम् नाटक के रचनाकार है
(i) मम्मट (ii) कालिदास (iii) रामाशीष पाण्डेय

(घ) दशरूपक के दश भेदों में पहला है :
(i) प्रकरण (ii) नाटक (iii) भाण

(ङ) नाटक में सन्धियों की संख्या होती है : –
(i) सात (ii) पाँच (iii) तीन

(च) कार्यावस्था के भेद होते है : –
(i) पाँच (ii) सात (iii) तीन

(छ) नायक कितने प्रकार के होते है : –
(i) चार (ii) दो (iii) पाँच

(ज) दशरूपक के रचयिता है ।
(i) रमाकान्त (ii) धनञ्जय (iii) मम्मट

(झ) कुमार विजयम् का नायक है : –
(i) अमर सिंह (ii) विमल सिंह (iii) कुमर सिंह

(ञ) 'कुमारविजयम्' के किस अंक का नाम सैन्य संचालन अंक है :
(i) द्वितीय (ii) तृतीय (iii) चतुर्थ ।

2. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें :- 15×1

(क) 'रूपक' को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों पर प्रकाश डाले ।

(ख) "अर्थप्रकृति" अथवा संधि का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों का विवेचन करें ।

3. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें :- 15×1

(क) कुमारविजयम् नाटक के आधार पर "कुमरसिंह" का चरित्र-चित्रण करें ।

(ख) कुमारविजयम् के प्रणेता का परिचय प्रस्तुत करें ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखें :- 5×3

(क) प्रस्तावना
(ख) भारतीवृत्ति
(ग) विष्कम्भक
(घ) धीरललित
(ङ) नाटक
(च) चूलिका
(छ) पञ्चावस्था
(ज) वीथी

5. निम्नलिखित में किन्हीं तीन श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद करें 5×3

(क) अत्राऽपि नास्ति तत्राऽपि नास्ति
दूरेऽपि पश्यामि तत्राऽपि नास्ति ।
कुञ्जेऽपि नास्ति गेहेऽपि नास्ति
यत्रैव पश्यामि तत्राऽपि नास्ति ॥

SET-3 SNK- 411

(ख) चन्द्रमा रात्रि मध्ये सुधां वर्षयन्
पीतपीतः प्रभाते गतः सागरे।
पूर्वभागे पुनर्भास्करो रोचते
द्वन्द्वभावे तथैव स्थिता मानवाः॥

(ग) स्वातन्त्र्यं नहि विद्यतेऽत्र
जनककार्यैं तथा चिन्तने।
नद्धास्ताः परतन्त्र पाशनिकरे
गावो यथा गोगृहे॥

(घ) प्राणान् दत्वाभिरक्षन्ति राष्ट्रं राष्ट्रस्य संस्कृतिम्।
क्षत्रिया क्षात्रधर्मत्वात् विख्याता भुवने सदा॥

(ङ) तुरगाः श्यामकर्णाश्च प्राप्नुवन्ति स्वलक्ष्यकम्।
प्रशंस्याः सर्वतो भावैर्बलिष्ठा द्रुतगामिनः॥

(च) वीराणामत्र गणस्य कृपा सर्वत्र राजते।
कृपाशून्ये कृपाणेऽस्य का कृपा शत्रुकर्तने॥

Dr. T. PANDEY (3)
H.O.D.
Sanskrit

4 Th SEM M.A. Sanskrit

संस्कृत SNK-Core-CC-411

एकादश पत्र

प्रश्न सं- 01 का उत्तर

SET — 1 (one)	SET- 2	SET- 3
(क) — ii	(क) — i	(क) — i
(ख) — iii	(ख) — ii	(ख) — ii
(ग) — ii	(ग) — iii	(ग) — iii
(घ) — ii	(घ) — iii	(घ) — i
(ङ) — i	(ङ) — i	(ङ) — ii
(च) — ii	(च) — ii	(च) — i
(छ) — iii	(छ) — ii	(छ) — i
(ज) — i	(ज) — ii	(ज) — ii
(झ) — i	(झ) — i	(झ) — iii
(ञ) — ii	(ञ) — ii	(ञ) — i

Dr. T. PANDEY
H.O.D.
Sanskrit

Answer Sheet

4th Semester Sanskrit SNK-Core 411